पंजाब केसरी

पंजाब केसरी SUN,12 JUNE 2022
EDITION: PATIALA KESARI, PAGE NO. 1

Sun, 12 June 2022

शिक्षा और समाज सेवा के प्रतीक हैं डा. मोहन लाल शर्मा

पटियाला, 11 जून (राजेश पंजौला) : डी.ए.वी. स्कूल समाना के प्रिंसीपल मोहन लाल शर्मा शिक्षा और समाज के प्रतीक बन कर उभरे हैं। डा. मोहन लाल शर्मा एक प्रबुद्ध दार्शनिक तीक्ष्ण तार्किक, सूक्ष्म मनोविज्ञानविद, एक श्रेष्ठ समाज सुधारक एवं उच्चतम शिक्षा शास्त्री जैसे गुणों के समावेश है डा. शर्मा अपने आप में एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व है।

एक संस्थापक के रूप में कर्मठ एवं कर्तव्यनिष्ठ डा. मोहन लाल शर्मा ने अपने कुशल नेतृत्व से सन 1994 में ग्रामीण बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए गांव ककराला में छोटी सी धर्मशाला में डीएवी स्कूल की शुरुआत की तथा उसे सी.बी.एस.ई. द्वारा मान्यता भी दिलवाई। इसी तरह सन 1995 में एक और पिछड़े गांव कुलारां में भी डी.ए.वी. स्कूल की स्थापना कर वहां के बच्चों को उपहार स्वरूप शिक्षा के आयामों से परिचित करवाया।

सन 2001 में जिला पटियाला के बादशाहपुर गांव में स्थानीय लोगों के सहयोग के साथ डी.ए.वी. स्कूल की स्थापना की। इसी प्रकार सन 2009 में प्रधान पूनम पूरी तथा एच. आर. गंधार जी के सहयोग द्वारा समाना में अढाई एकड़ जमीन खरीदकर ग्लोबल डी.ए.वी. स्कूल (चक अमृत्सरिया पातड़ा रोड) का निर्माण किया।

तत्पश्चात दृढ निश्चय और अद्भुत कार्यक्षमता युक्त डा. शर्मा ने सन 2012 में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल पक्खोवाल रोड सराभा नगर एक्सटेंशन, लुधियाना में कार्यरत हुए तथा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए 3 साल वहां बिताया।

सन 2016 में पुन: डी.ए.वी. स्कूल समाना को ऐसे प्रतिभाशाली प्रधानाचार्य प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तथा अब डी.ए.वी. स्कूल समाना में प्राचार्य के पद पर आसीन होकर स्कूल को उन्नति के शिखर तक पहुंचाने में डा. शर्मा के प्रयासों के फलस्वरूप कुछ ऐसे ऐतिहासिक परिवतर्न हुए जिन्होंने इन्हें समाज में अग्रगण्य बना दिया।

डा. शर्मा जोकि आर्य प्रादेशिक सभा का प्रतिनिधित्व करते आए इस सभा के सफल निर्देशन में समय-समय पर चेतना यात्रा का आयोजन किया गया। इस चेतना यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में फैली बुराइयों जैसे भ्रूण हत्या, जात-पात, बाल मजदूरी, एंटी ड्रग्स (नशों के खिलाफ) एड्स व वातावरण प्रदूषण आदि के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा है। इसके अतिरिक्त डा. शर्मा ने गरीब बच्चों को गोद लेकर उन्हें मुफ्त शिक्षा प्रदान करवाने के हर संभव प्रयास किए। विद्यालय में बच्चों के उचित स्वास्थ्य के संरक्षण हेतु अत्याधुनिक जिम की व्यवस्था करना।

सबसे महत्वपूर्ण कार्य डी.ए.वी. स्कूल सामना को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से मान्यता दिलवाकर स्कूल को उच्चतर माध्यमिक बनाना ताकि आस-पास के क्षेत्रों के बच्चों को 11वीं व 12वीं की शिक्षा के लिए किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

अभी हाल ही में इलाका निवासियों व बच्चों के उचित स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए डा. शर्मा ने स्कूल में मुफ्त होम्योपैथिक डिस्पैंसरी खुलवा कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की। यह डिस्पैंसरी हर शनिवार को सभी लोगों के व बच्चों को मुफ्त सेवा प्रदान कर रही है। प्रत्येक शनिवार को समाना शहर के आसपास के इलाकों से कई संख्या में आए मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया जाता है। इन सभी सफलताओं का श्रेय प्रधानाचार्य डा. मोहन लाल शर्मा को जाता है।

डा. शर्मा ने शिक्षा के क्षेत्र में तथा समाज सुधारक के रूप में कई पुरस्कार हासिल किए। समय-समय पर डा. मोहन लाल शर्मा को उनके अथक प्रयासों के कारण कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है जिनमें से मुख्य है गलोरी ऑफ इंडियन इंस्टीच्यूट अवार्ड, बेस्ट सिटीजन ऑफ इंडिया अवार्ड 2003, आऊटस्टैंडिंग एजुकेशनलिस्ट अवार्ड तथा भारत ज्योति अवार्ड इंटरनैशनल पब्लिशिंग हाऊस नई दिल्ली द्वारा प्रदान किए गए। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर इनकी लगन और कर्मठता को देखकर तथा शिक्षा के क्षेत्र में इनके योगदान को मद्देनजर रखते हुए इन्हें महारानी परनीत कौर द्वारा सम्मानित किया गया जोकि अपने आप में एक विशेष उपलब्धि है।

अभी हाल ही में विशिष्ट शिक्षाविद् सम्मान से अलंकृत होकर डा. शर्मा ने इस कड़ी में एक और मोती पिरोया है। 12 मई 2018 को इंडिया इंटरनैशनल सेंटर लोधी एस्टेट, न्यू दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में डा. मोहनलाल शर्मा को विशिष्ट शिक्षाविद् जैसे गरिमामय सम्मान से सम्मानित किया गया। समाज का कोई भी पहलू हो वह इनसे अछूता नहीं है। निर्धन और असहाय लोगों की सहायता करना इनका परम धर्म है। अनाथ आश्रम, वृद्ध आश्रम जैसी सेवी संस्थाओं का ये अहम भाग है। गरीब कन्याओं के विवाह के लिए भी इन्होंने बढ़-चढ़ योगदान दिया है। इतना ही नहीं जब कभी भी हमारे देश में कोई आपदा आई है वहां पर भी डा. शर्मा ने हर संभव सहयोग दिया है।

यहां यह बात बिल्कुल स्पष्ट है कि अगर हम डा. शर्मा को समाज सुधारक का पर्याय माने तो इसमें कोई अतिश्योक्ति न होगी। बच्चों के सर्वांगीण विकास का जो बीड़ा इन्होंने उठाया है वह सचमुच ही सराहनीय है। डी.ए.वी. कालेज प्रबंधकीय समिति एवं इलाका निवासियों को भी डा. मोहन लाल शर्मा पर गर्व है तथा वे सदा ही इनके अथक प्रयासों की सहारना करते रहते हैं।